भारत सरकार
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग
लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 296

मंगलवार, 04 फरवरी, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

सीमेंट और निर्माण उद्योग

296. श्री विजय बघेलः
श्री देवुसिंह चौहानः

क्या **वाणिज्य और उद्योग मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सीमेंट क्षेत्र को अधिक टिकाऊ बनाने की दिशा में उद्योग-वार सहयोग की भूमिका क्या है;

(ख) एडवांस कैलिब्रेशन प्रयोगशाला विशेष रूप से गुणवत्ता आश्वासन और परिशुद्धता के संदर्भ में सीमेंट और निर्माण उद्योग को किस प्रकार से प्रभावित करती है; और

(ग) नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) के बल्लभगढ़ परिसर में 500 किलोवाट क्षमता की सोलर रूफटॉप स्थापना किस तरह से सीमेंट और निर्माण उद्योग के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में मदद करती है?

उत्तर
वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) : भारतीय सीमेंट उद्योग ने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय तथा वैश्विक रूप से उपलब्ध अत्या धुनिक प्रौद्योगिकीय नवप्रयोगों को अपनाया है जिसने सतत विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जैसे कच्चे माल की उपलब्धता, वैकल्पिक ईंधन और कच्चे माल का अधिकतम उपयोग, विनिर्माण प्रक्रिया की गतिशीलता को बढ़ाना, पर्यावरणीय और पारिस्थितिकीय हानि को कम करना आदि। ऐसे सहयोग ने भारतीय सीमेंट क्षेत्र का निरंतर विकास सुनिश्चित किया है।

(ख) : देश में सीमेंट व निर्माण क्षेत्र में सीमेंट और इससे निर्मित कंक्रीट की गुणवत्ता को बनाए रखने के लिए उन्नत अंशांकन प्रयोगशालाओं सहित अंशांकन प्रयोगशालाओं की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है। यह सीमेंट और इससे निर्मित कंक्रीट के विनिर्माण एवं गुणवत्ता नियंत्रण हेतु सीमेंट और निर्माण उद्योगों में लगे विभिन्न उपकरणों के अंशांकन द्वारा किया जाता है। चूंकि सीमेंट और कंक्रीट बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होने वाली सामग्री है, इसलिए उपकरण आदि को नियमित रूप से अंशांकित करना और भी संगत तथा आवश्यक हो जाता है ताकि उनसे सटीक नतीजे प्राप्त हो सकें।

(ग) : नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), सीमेंट और निर्माण उद्योग से संबंधित नहीं है। हालांकि, राष्ट्रीय सीमेंट एवं भवन सामग्री परिषद (एसीबी), उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन प्रौद्योगिकी विकास एवं अंतरण, सतत शिक्षा और औद्योगिक सेवा के लिए अनुसंधान और विकास संस्थान है जो सीमेंट और निर्माण उद्योग के प्रति समर्पित है। एनसीबी ने नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों का

इस्तेमाल करके कार्बन डाई ऑक्साइड का उत्सर्जन कम करने और एनसीबी के बिजली के बिल में कमी करने में सहायता करने के लिए पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के अंतर्गत अपने बल्लभगढ़ परिसर में 500 केडब्ल्यूपी सोलर रूफटॉप स्थापित किया है।

*****